अव्यय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अव्यय की परिभाषा और विशेषताएँ

प्रश्न 1 (आसान). निम्न में से अव्यय शब्द पहचानिए: (रामः, गच्छति, अद्य)

उत्तर – अद्य

प्रश्न 2 (आसान). 'कल' (बीता हुआ) के लिए कौन सा अव्यय प्रयोग होता है?

उत्तर – ह्यः

प्रश्न 3 (मध्यम). वाक्य पूरा करें: '___ सूर्यः अस्ति, ___ प्रकाशः अस्ति।' (यत्र, तत्र)

उत्तर – यत्र सूर्यः अस्ति, तत्र प्रकाशः अस्ति।

प्रश्न 4 (कठिन). एक ऐसा वाक्य बनाइए जिसमें 'शनैः शनैः' अव्यय का प्रयोग हुआ हो।

उत्तर – कच्छपः शनैः शनैः चलति। (कछुआ धीरे-धीरे चलता है।)

» प्रमुख अव्यय और उनके अर्थ

प्रश्न 5 (आसान). 'जहाँ' के लिए संस्कृत अव्यय क्या है?

उत्तर – यत्र

प्रश्न 6 (आसान). 'धीरे-धीरे' के लिए सही अव्यय क्या है?

उत्तर – शनैः शनैः

प्रश्न 7 (मध्यम). इस वाक्य में सही अव्यय भरें: 'अहं ____ वाराणसीं गमिष्यामि।' (आने वाला कल)

उत्तर – श्वः

प्रश्न 8 (कठिन). वाक्य को संस्कृत में बदलें: 'वह अचानक भागा।'

उत्तर – सः सहसा अधावत्।

» अव्यय 'अलम्' का विशेष प्रयोग

प्रश्न 9 (आसान). कोष्ठक में दिए शब्द की सही विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए: 'अलम् ____।' (हँसने के लिए)

उत्तर – अलम् हसितेन।

प्रश्न 10 (आसान). कोष्ठक में दिए शब्द की सही विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए: 'अध्यापकाय ____ अलम्।' (ज्ञान)

उत्तर – अध्यापकाय ज्ञानाय अलम्।

प्रश्न 11 (मध्यम). वाक्य में 'अलम्' का प्रयोग करते हुए 'वाद-विवाद मत करो' का संस्कृत अनुवाद कीजिए।

उत्तर – अलम् वादविवादेन।

प्रश्न 12 (कठिन). सही विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए: 'देवदत्ताय धनम् अलम्। सः अधिकम् न इच्छति।'

उत्तर – देवदत्ताय धनेन अलम्। (यहाँ 'धनम् अलम्' से 'काफी है' का भाव स्पष्ट है, तो 'धन' शब्द की चतुर्थी विभक्ति 'धनाय' या 'धनेन' दोनों आ सकते हैं, पर निषेधार्थ में तृतीया 'धनेन' ज्यादा प्रयोग होता है, 'पर्याप्त' में चतुर्थी 'धनाय' होता है। लेकिन यहाँ 'काफ़ी है' के अर्थ में 'धनम्' का प्रयोग किया गया है, तो तृतीया ही आएगी।)

» वाक्यों में अव्यय का प्रयोग

प्रश्न 13 (आसान). सही अव्यय चुनिए: 'रामः _____ पठति।' (पुनः / पुनःम्)
उत्तर – पुनः

प्रश्न 14 (आसान). रिक्त स्थान भरिए: '_____ त्वं गच्छसि?' (कुत्र / कुत्राम्)
उत्तर – कुत्र

प्रश्न 15 (मध्यम). वाक्य में अव्यय पहचानिए: 'यथा राजा, तथा प्रजा।' (जैसा राजा, वैसी प्रजा।)
उत्तर – यथा, तथा

प्रश्न 16 (कठिन). नीचे दिए गए अव्यय का प्रयोग करके एक संस्कृत वाक्य बनाइए: 'अधुना' (अब)
उत्तर – अधुना अहं संस्कृतं पठामि। (अब मैं संस्कृत पढ़ता हूँ।)

» युग्म अव्ययों का प्रयोग

प्रश्न 17 (आसान). यत्र धूमः, _____ अग्निः। (कहाँ/वहाँ)
उत्तर – तत्र

प्रश्न 18 (आसान). यावत् वर्षा न भवति, _____ अहं न गच्छामि। (जब तक/तब तक)
उत्तर – तावत्

प्रश्न 19 (मध्यम). यदि त्वं पठसि, _____ उत्तीर्णः भविष्यसि। (अगर/तो)
उत्तर – तर्हि

प्रश्न 20 (कठिन). सः _____ गच्छति, _____ तस्य मित्राणि आगच्छन्ति। (जहाँ-जहाँ/वहाँ-वहाँ)
उत्तर – यत्र-यत्र, तत्र-तत्र

» रिक्त स्थान पूर्ति द्वारा अव्यय अभ्यास

प्रश्न 21 (आसान). सूर्यः _____ उदेति। (मंजूषा: सदा, पुरा, मा)
उत्तर – सूर्यः सदा उदेति।

प्रश्न 22 (आसान). सः _____ आगच्छति। (मंजूषा: बहिः, नूनम्, एव)
उत्तर – सः बहिः आगच्छति।

प्रश्न 23 (मध्यम). वृथा कलहं _____ कुरु। (मंजूषा: मा, कदा, तत्र)
उत्तर – वृथा कलहं मा कुरु।

प्रश्न 24 (कठिन). परिश्रमं कुरु, _____ अनुत्तीर्णः भविष्यसि। (मंजूषा: सहसा, अन्यथा, चिरम्)
उत्तर – परिश्रमं कुरु, अन्यथा अनुत्तीर्णः भविष्यसि।

» वाक्यों से अव्यय पद पहचानना

प्रश्न 25 (आसान). निम्नलिखित वाक्य से अव्यय पहचानिए: 'सः अद्य पठति।'
उत्तर – अद्य

प्रश्न 26 (आसान). निम्नलिखित वाक्य से अव्यय पहचानिए: 'रामः च लक्ष्मणः वनं गतौ।'
उत्तर – च

प्रश्न 27 (मध्यम). निम्नलिखित वाक्य से अव्यय पहचानिए: 'अधुना अहं संस्कृतं पठामि।'
उत्तर – अधुना

प्रश्न 28 (कठिन). निम्नलिखित वाक्य से अव्यय पहचानिए: 'यद्यपि सः निर्धनः अस्ति तथापि सत्यं वदति।'
उत्तर – यद्यपि, तथापि

» शुद्ध अव्यय पद का चुनाव

प्रश्न 29 (आसान). अहम् _____ भ्रमणाय गमिष्यामि। (श्वः / ह्यः)
उत्तर – श्वः

प्रश्न 30 (आसान). गजः _____ चलति। (उच्चैः / शनैः शनैः)
उत्तर – शनैः शनैः

प्रश्न 31 (मध्यम). विद्यालयम् _____ उद्यानम् अस्ति। (परितः / एव)
उत्तर – परितः

प्रश्न 32 (कठिन). छात्राः पुस्तकम् _____ न शोभन्ते। (यदि / विना)
उत्तर – विना

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. वाक्य में 'सहसा' अव्यय का प्रयोग करके दिखाइए और बताइए यह क्यों अव्यय है।

› सबसे पहले, 'सहसा' का अर्थ जानो। 'सहसा' का अर्थ होता है 'अचानक'।

› अब इसे एक वाक्य में प्रयोग करो, जैसे: 'सः सहसा गृहम् अगच्छत्।' (वह अचानक घर चला गया।)

› देखो, यहाँ 'सः' (पुल्लिंग एकवचन) के साथ भी 'सहसा' आया। अगर हम कहें 'सा सहसा गृहम् अगच्छत्' (वह अचानक घर चली गई), तब भी 'सहसा' वैसा ही रहेगा।

› अगर हम कहें 'ते सहसा गृहम् अगच्छन्' (वे सब अचानक घर चले गए), तब भी 'सहसा' नहीं बदलेगा।

› तो, 'सहसा' एक अव्यय है क्योंकि लिंग (सः/सा/ते), वचन (एकवचन/बहुवचन) या कोई और बदलाव आने पर भी यह 'सहसा' ही रहा, बदला नहीं।

उत्तर – वाक्य: 'सः सहसा गृहम् अगच्छत्।' ('सहसा' एक अव्यय है क्योंकि यह लिंग, वचन या विभक्ति के बदलने पर भी अपरिवर्तित रहता है।)

उदाहरण 2. वाक्य को संस्कृत में बदलें: 'आज मैं घर जाऊँगा।'

› सबसे पहले पहचानो कि 'आज' के लिए कौन सा अव्यय आता है। हमें पता है, 'आज' को संस्कृत में 'अद्य' कहते हैं।

› अब वाक्य के बाकी हिस्सों को संस्कृत में बदलो। 'मैं' होता है 'अहम्'। 'घर' के लिए 'गृहम्'। 'जाऊँगा' भविष्य काल है, तो 'गमिष्यामि' आएगा।

› अब सबको एक साथ जोड़ो, सही क्रम में। 'अद्य अहम् गृहं गमिष्यामि'।

उत्तर – अद्य अहम् गृहं गमिष्यामि।

उदाहरण 3. सही विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए: 'बालकाय _____ अलम्।' (खेलने के लिए)

› सबसे पहले हमें 'अलम्' का अर्थ समझना है। यहाँ 'बालकाय अलम्' का मतलब है 'बच्चे के लिए पर्याप्त है', खेलने के लिए।

› जब 'अलम्' का अर्थ 'पर्याप्त' होता है, तो उसके साथ चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है।

› मूल शब्द 'क्रीड़ा' (खेलना) है।

› 'क्रीड़ा' शब्द की चतुर्थी विभक्ति होगी 'क्रीड़ायै' (अगर स्त्रीलिंग है) या 'क्रीड़नाय' (अगर नपुंसक या पुल्लिंग है, यहाँ खेलने का भाव नपुंसक जैसा है)।

› तो सही शब्द 'क्रीड़नाय' या 'क्रीड़ायै' होगा। वाक्य में 'बालकाय' पुल्लिंग है और यहाँ खेलने का भाव मुख्य है, तो 'क्रीड़नाय' ज़्यादा उपयुक्त है।

उत्तर – बालकाय क्रीड़नाय अलम्।

उदाहरण 4. नीचे दिए गए वाक्य में उचित अव्यय का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए: 'वृष्टिः भवति, _____ मयूराः नृत्यन्ति।' (बारिश होती है, _____ मोर नाचते हैं।)

› पहले वाक्य का अर्थ समझो: 'बारिश होती है, _____ मोर नाचते हैं।'

› यहां हमें ऐसा अव्यय चाहिए जो 'कारण-परिणाम' बताए, यानी 'जब ऐसा होता है, तब ऐसा होता है'।

› संस्कृत में 'जब' के लिए 'यदा' और 'तब' के लिए 'तदा' अव्यय का प्रयोग होता है।

› तो, पहला खाली स्थान 'यदा' से और दूसरा 'तदा' से भरा जाएगा।

उत्तर – यदा वृष्टिः भवति, तदा मयूराः नृत्यन्ति। (जब बारिश होती है, तब मोर नाचते हैं।)

उदाहरण 5. सही युग्म अव्यय से रिक्त स्थान भरिए: 'यथा राजा, _____ प्रजा।'

› सबसे पहले, हम वाक्य में पहला अव्यय देखते हैं, जो कि 'यथा' है।

› हम जानते हैं कि 'यथा' की जोड़ी 'तथा' है।

› तो हम रिक्त स्थान में 'तथा' भरेंगे।

› पूरा वाक्य होगा: 'यथा राजा, तथा प्रजा।' (जैसा राजा, वैसी प्रजा।)

उत्तर – तथा

उदाहरण 6. रिक्त स्थानं पूरयत - बालकः _____ खेलति। (मंजूषा: अद्य, कुत्र, श्वः)

› पहला कदम, हम तीनों अव्ययों के अर्थ समझेंगे: 'अद्य' मतलब 'आज', 'कुत्र' मतलब 'कहाँ', 'श्वः' मतलब 'आने वाला कल'।

› अब हम वाक्य का अर्थ देखेंगे: 'बालकः _____ खेलति' मतलब 'लड़का _____ खेलता है।'

› अब एक-एक करके अव्यय लगाकर देखेंगे। 'बालकः अद्य खेलति' (लड़का आज खेलता है) - यह सही लग रहा है।

› 'बालकः कुत्र खेलति' (लड़का कहाँ खेलता है) - यह प्रश्न वाला वाक्य बन गया, जो यहाँ फिट नहीं बैठ रहा क्योंकि प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं है।

› 'बालकः श्वः खेलति' (लड़का आने वाले कल खेलता है) - यह भी अर्थ दे रहा है, लेकिन दिए गए विकल्पों में सबसे उपयुक्त 'अद्य' है, जो वर्तमान की बात कर रहा है। लेकिन अगर प्रश्न वाक्य होता तो 'कुत्र' भी सही होता।

› पर यहाँ सबसे साधारण और सही विकल्प 'अद्य' ही है, क्योंकि यह एक सीधा-सादा कथन है।

› तो, सही जवाब है 'अद्य'।

उत्तर – बालकः अद्य खेलति।

उदाहरण 7. दिए गए वाक्य में से अव्यय पद को पहचानिए: 'अहं श्वः विद्यालयं गमिष्यामि।'

› सबसे पहले वाक्य को ध्यान से पढ़ें: 'अहं श्वः विद्यालयं गमिष्यामि।'

› अब एक-एक शब्द पर विचार करें: 'अहं' (मैं) एक सर्वनाम है, 'विद्यालयं' (विद्यालय को) एक संज्ञा है, 'गमिष्यामि' (जाऊँगा) एक क्रिया है।

› 'श्वः' शब्द को देखें। क्या यह किसी भी लिंग, वचन, या विभक्ति के अनुसार बदलता है? नहीं। 'श्वः' का अर्थ 'आने वाला कल' होता है और यह हमेशा 'श्वः' ही रहेगा।

› तो, 'श्वः' एक अव्यय पद है क्योंकि यह तीनों लिंगों, सभी वचनों और सभी विभक्तियों में एक जैसा रहता है, बदलता नहीं।

उत्तर – श्वः

उदाहरण 8. सही अव्यय चुनकर रिक्त स्थान भरिए: 'परिश्रमं कुरु, _____ अनुत्तीर्णः भविष्यसि।' (मञ्जूषा: सर्वदा / अन्यथा)

› सबसे पहले वाक्य का अर्थ समझो: 'परिश्रमं कुरु' मतलब 'परिश्रम करो'।

› रिक्त स्थान के बाद है 'अनुत्तीर्णः भविष्यसि' मतलब 'फेल हो जाओगे'।

› अब दिए गए विकल्पों के अर्थ देखो: 'सर्वदा' का अर्थ है 'हमेशा', और 'अन्यथा' का अर्थ है 'नहीं तो'।

› दोनों अव्ययों को वाक्य में रखकर देखो: 'परिश्रमं कुरु, सर्वदा अनुत्तीर्णः भविष्यसि।' (परिश्रम करो, हमेशा फेल हो जाओगे।) - यह ठीक नहीं लग रहा।

› 'परिश्रमं कुरु, अन्यथा अनुत्तीर्णः भविष्यसि।' (परिश्रम करो, नहीं तो फेल हो जाओगे।) - यह सही अर्थ दे रहा है।

› इसलिए, सही अव्यय 'अन्यथा' होगा।

उत्तर – परिश्रमं कुरु, अन्यथा अनुत्तीर्ण: भविष्यसि।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• अव्यय शब्दों को पहचानने और वाक्यों में सही प्रयोग करने के प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं, खासकर रिक्त स्थान भरने या अव्यय छाँटने वाले प्रश्न। इन पर विशेष ध्यान देना बच्चों।

• अव्यय और उनके अर्थ बोर्ड परीक्षा में अक्सर 2-3 अंकों के लिए सीधे पूछे जाते हैं या रिक्त स्थान भरने में काम आते हैं, इसलिए इन्हें ध्यान से याद करना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 'अलम्' अव्यय के विभिन्न प्रयोगों पर आधारित प्रश्न अक्सर विभक्ति के सही चुनाव के रूप में पूछे जाते हैं। इन नियमों को अच्छे से समझकर याद कर लीजिए।

• बोर्ड परीक्षा में ऐसे रिक्त स्थान वाले प्रश्न अक्सर आते हैं जहाँ आपको सही युग्म अव्यय का दूसरा हिस्सा चुनकर भरना होता है। ध्यान से देखना कि पहला अव्यय कौन सा है और उसकी सही जोड़ी क्या है।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में निश्चित रूप से आता है, इसलिए मंजूषा में दिए सभी अव्ययों के अर्थ और उनके प्रयोग को अच्छे से समझ लो।

• बोर्ड परीक्षा में अव्यय पहचानने के प्रश्न आते हैं। अव्यय पदों की सूची और उनके अर्थ याद करना बहुत ज़रूरी है, साथ ही उन वाक्यों का अभ्यास करें जहाँ अव्यय युग्म में आते हैं (जैसे यदा-तदा)।

• अवश्य ध्यान रखना, बोर्ड परीक्षा में ऐसे प्रश्न 2-3 नंबर के ज़रूर आते हैं। हर अव्यय का अर्थ अच्छे से याद कर लो, खासकर जो युग्म में आते हैं जैसे 'यदा-तदा' या 'यत्र-तत्र'।

एक नज़र में रिवीज़न

› अव्यय: वे शब्द जो लिंग, वचन, विभक्ति से नहीं बदलते।

› प्रमुख अव्यय और उनके हिंदी अर्थ (अद्य-आज, श्व:-कल, ह्य:-कल, यत्र-जहाँ, कुत्र-कहाँ)।

› 'अलम्': 'मत करो' में तृतीया; 'पर्याप्त' में चतुर्थी।

› युग्म अव्यय जोड़े में आते हैं (यथा-तथा), वाक्य पूर्णता हेतु आवश्यक।

› अव्ययों का अर्थ समझकर, वाक्य के भाव के अनुसार रिक्त स्थान भरें।

› अव्यय वे शब्द हैं जो लिंग, वचन, विभक्ति से नहीं बदलते।

› अव्यय का अर्थ व वाक्य के भाव से चुनाव।